

ब

**ब** पुं. (तत्.) 1. हिंदी वर्णमाला का तेइसवाँ व्यंजन 2. पवर्ग का तीसरा अक्षर, 'ओष्ठ' से बोला जाने वाला वर्ण (ओष्ठ्य वर्ण) 3. जल के देवता-वरुण, सागर, पानी, कलश, संतति 4. अरबी-फारसी भाषाओं में उपसर्ग के रूप में प्रयुक्त।

**बंक** वि. (तद्.) 1. तिर्यक या तिरछा, वक्र 2. विक्रमी, पराक्रमी, पौरुषशील 3. जहाँ पहुँचा न जा सके, अगम्य पुं. (अं.) कोषागार, लोगों का धन सुरक्षित रखने वाला संस्थान जो उन्हें जरूरत पड़ने पर धन दे सके, ऋण दे सके। Bank

**बंकता** स्त्री. (तद्.) वक्रता, तिरछापन।

**बंकर** पुं. (अं.) अंतस्तल में बनी कोठरी, तहखाना, कोयला रखने का गहरा कमरा, सैनिकों के द्वारा सुरक्षा और छिपने के लिए बनाया गया गहरा गड्ढा या बंकर वि. (तद्.) तिर्यक् या टेढ़ा। bunker

**बंकराज** पुं. (तद्.) साँप, साँप की एक जाति।

**बंका** वि. (तद्.) 1. वक्र, तिरछा 2. पौरुष वाला, मेहनती, जबरदस्त।

**बंकाई** स्त्री. (तद्.) वक्रता, तिरछापन।

**बंकिम** वि. (तद्.) 1. वक्र, तिर्यक्, तिरछा 2. कुटिल।

**बंकुर** वि. (तद्.) 1. कुटिल 2. वक्र।

**बंकुरता** स्त्री. (तद्.) वक्रता, कुटिलता।

**बंकुस** वि. (तद्.) वक्र, टेढ़ा।

**बंग** पुं. (तत्.) 1. उदंडता, अभिमान वि. अभिमानी, उदंडता 2. भारत के एक प्रदेश का पुराना नाम जो बंगप्रदेश के नाम से जाना जाता है।

**बंगला** पुं. (तद्.) 1. चतुर्दिक बरामदों से युक्त खुला हवादार एक मंजिला मकान 2. ऊपर की छत पर बना हवादार कमरा 3. बंगाल देश का पान

जिसे बंगाल पान कहते हैं 4. बंगाल देश से संबंधित।

**बंगली** स्त्री. (तद्.) 1. बंगाल-प्रांत में होने वाला पान 2. एक प्रकार का स्वर्णाभूषण।

**बंगाला** पुं. (तद्.) 1. बंगाल प्रांत 2. एक प्रकार की रागिनी (मेघ राग की स्त्री)।

**बंगाली** पुं. (तद्.) 1. बंगाल प्रांत का रहने वाला 2. एक प्रकार का राग स्त्री. बंगाल प्रांत की भाषा, बंगाल संबंधी।

**बंचक** पुं. (तत्.) ठग, ठगने वाला, धृष्ट, धूर्त, पाखंड करने वाला।

**बंचकता** स्त्री. (तद्.) कपट, कपटता, धृष्टता, ठगी, चालबाजी।

**बंचनता** स्त्री. (तद्.) वंचकता, ठगी, छलकपट।

**बंचना** स्त्री. (तद्.) वंचना, छल-कपट, चालबाजी स.क्रि. कपट व्यवहार करना, छलना।

**बंछना** स.क्रि. (तद्.) कामना करना, चाहना।

**बंछित** वि. (तद्.) वांछित, चाहा गया, अभिलषित।

**बंज** पुं. (तद्.) वाणिज्य, रोजगार, व्यापार, सौदागिरी।

**बंजर** पुं. (तद्.) अनुर्वर, ऊसर।

**बंजारा** पुं. (तद्.) घूम-घूम कर व्यापार करने वाला व्यवसायी, बैलों पर अन्न लादकर व्यापार करने वाला व्यापारी।

**बंजुल** पुं. (तद्.) 1. वेत्रलता 2. अशोक का पेड़।

**बंझा** स्त्री. (तद्.) वह महिला जो संतान पैदा नहीं कर सकती है, वंध्य औरत

**बंटादार/बंटाधार** पुं. (देश.) सत्यानाश, पूर्णहानि।

**बंडल** पुं. (अं.) बजनीला, गट्ठर, गड्डी Bundle

**बंडा** पुं. (देश.) 1. एक प्रकार का कंद 2. अरुई कंद का बड़ा रूप।

**बंडी** स्त्री. (देश.) 1. आधे बाँह की कुरती, आधा कोट, बगलबंडी 2. खपरैल के छाजने में किनारे पर लगी लकड़ी।

**बंद** पुं. (फा.) 1. बंधन, किसी वस्तु को बांधने का बंध 2. बाँध, खेत में लगाए जाने वाली मेड़ 3. शरीर का जोड़ वाला भाग 4. कागज का लंबा